भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

अनुसूचित जाति के कृषकों के लिए गेहूँ की लवण सहनशील किस्म KRL- 210 का "अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन"

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति के कृषकों के लिए गेहूँ की लवण सहनशील किस्म KRL- 210 का "अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन" किया गया| भरूच जिले के कुछ तालुका में मृदा में लवणता तथा अच्छे पानी की अनुपलब्धता की वजह से कृषि में बाधायें आतीं है| जिसकी वजह से इस क्षेत्र के किसान फसल से अच्छा उत्पादन नहीं ले पाते है| इन्हीं समस्यायों को देखते हुए, इस रबी में केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा अनुसूचित जाति के कृषकों के लिए भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत भरूच जिले के चार तालुकाओं (जम्बूसर, वाघरा, भरूच तथा आमोद) के 50 अनुसूचित जाति के कृषकों को संस्थान द्वारा विकसित गेहूँ की लवण सहनशील किस्म KRL- 210 तथा KRL 283 का एक एकड के लिए बीज तथा उर्वरक (यूरिया, डीएपी तथा जिंक) दिया गया था| संस्थान द्वारा किसानों को इसका प्रदर्शन दिखाने के लिए दिनांक 17 फरवरी, 2026 को ग्राम कावली, तालुका जम्बूसर में इस क़िस्म का "अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन" (Front Line Demonstration) किया गया| इस कार्यक्रम में जम्बूसर तालुका के कावली गाँव के आस पास के की गाँव के 29 किसानों ने भाग लिया| किसानों को इस किस्म के बारे में वैज्ञानिक तथा उत्पादन की तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी| किसानों ने इसका प्रदर्शन अन्य किस्मों की तुलना में अच्छा बताया तथा भविष्य में इसे अपने खेत पर उगाने की इच्छा जाहिर की| इस कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान के अध्यक्ष डा. अनिल चिन्च्मालात्पुरे, वैज्ञानिक डा. मोनिका शुक्ला, तथा तकनीकी अधिकारी चंपक तावियाड ने भरपूर सहयोग प्रदान किया |